वैदिक उपासना पीठद्वारा प्रकाशित

बृहस्पतिवार,पौष कृष्ण पक्ष,प्रतिपदा, कलियुग वर्ष ५१२२ (३१ दिसम्बर, २०२०)

वैदिक उपासना

राष्ट्र एवं धर्मके पुनरूत्थान हेतु समर्पित ऑनलाईन दैनिक वृत्त पत्र

धर्माचरण हेतु कष्ट उठाना, राष्ट्र हेतु समय देना एवं साधना हेतु त्याग करना, यह सनातन उपासना है।

e-mail : upasanawsp@gmail.com, website : www.vedicupasanapeeth.org.

कलका पंचांग

जयतु जयतु हिन्दुराष्ट्रं

१ जनवरी २०२१ का वैदिक पंचांग

कलियुग वर्ष – ५१२२ / विक्रम संवत – २०७७ / शकवर्ष - १९४२.....कलके पंचांगके सम्बन्धमें और जानकारी हेतु इस लिंकपर जाएं.....https://vedicupasanapeeth.org/hn/kal-ka-panchang-01012021

देव स्तुति

अनाथो दरिद्रो जरारोगयुक्तो महक्षीणदीनः सदा जाड्यवक्त्रः।
विपत्तौ प्रविष्टः प्रणष्टः सदाहं गतिस्त्वं गतिस्त्वं त्वमेका भवानि॥

अर्थ : हे भवानी, मैं सदासे ही अनाथ, दरिद्र, जरा-जीर्ण, रोगी, अत्यन्त दुर्बल, दीन, गूंगा, विपत्तिग्रस्त और नष्टप्राय हूं। अब एकमात्र तुम्हीं मेरी गति हो, तुम्हीं मेरी गति हो।

शास्त्रवचन

कृष्णस्य नानाविधकीर्तनेषु तन्नामसंकीर्तनमेव मुख्यम्।
तत्प्रेमसम्पज्जनने स्वयं द्राक्-शक्तं ततः श्रेष्ठतमं मतं तत् ॥

अर्थ : श्रीकृष्णके नाना प्रकारके कीर्तनोंमें उनका नामकीर्तन ही मुख्य है। वह श्रीकृष्ण-प्रेमरूपा सम्पत्तिको शीघ्र उत्पन्न करनेमें स्वयं समर्थ है। इसलिए उसे सब साधनोंसे श्रेष्ठतम माना गया है।

****

नामसंकीर्तनं प्रोक्तं कृष्णस्य प्रेम- सम्पदि।
बलिष्ठं साधनं श्रेष्ठं परमाकर्ष मन्त्रवत्॥

अर्थ : श्रीकृष्णका नामकीर्तन प्रेम सम्पत्तिकी प्राप्तिके लिए प्रबल एवं श्रेष्ठ साधन कहा गया है। वह श्रेष्ठ आकर्षण-मन्त्रकी भांति चित्तको अत्यन्त आकृष्ट करनेवाला है।

धर्मधारा

१. जीवनमें सदैव धर्म और अध्यात्मको प्राथमिकता दें !

जो लोग अपने जीवनमें धर्म और अध्यात्मको प्राथमिकता नहीं देते हैं, जब उनके जीवनमें विषम परिस्थितियां आती हैं तो ईश्वर भी उनकी सहायता नहीं करते हैं। सामान्य लोगोंके जीवनमें कष्ट उनके इस जन्म या किसी और जन्मके अधर्मका परिणाम होता है, उसका फल सृष्टिके कर्मफल सिद्धान्त अनुसार भोगना ही पडता है और उस नियमको बनानेवाले भगवान उसमें हस्तक्षेप नहीं करते। वहीं भक्तको अपने प्रारब्ध अनुसार भी कष्ट हो और वह ईश्वरको आर्ततासे पुकारे तो ईश्वर उसकी सहायता हेतु त्वरित उपस्थित होते हैं और उसके कष्टको या तो सहन करनेकी

शक्ति देते हैं या कष्टकी तीव्रताको न्यून कर देते हैं । इसलिए भक्त बनें ! अपने जीवनमें धर्म, अध्यात्म और साधना हेतु समय निकाला करें !

****

२. पञ्चाग्न्यो मनुष्येण परिचर्या: प्रयत्नतः ।
पिता माताग्निरात्मा च गुरुश्च भरतर्षभ ॥

अर्थ : हे भरतश्रेष्ठ ! पिता, माता, अग्नि, आत्मा और गुरु, मनुष्यको इन पांच अग्नियोंकी बडे यत्नसे सेवा करनी चाहिए ।

यदि आजकी शिक्षण पद्धतिमें यह सिखाया गया होता तो आज वृद्धाश्रम न होते ।

यदि अग्निकी उपासनाका महत्त्व सिखाया गया होता तो आज प्रातः और सन्ध्या समय अग्निहोत्रके लिए सबके पास समय होता ।

यदि अध्यात्म और धर्मकी शिक्षा दी गई होती अर्थात आत्माकी सेवा सिखाई गई होती तो आज समाज इस प्रकारसे धर्म विमुख न होता ।

गुरुजनकी सेवा लोग कर रहे होते तो राष्ट्र, समाज और धर्मकी यह दुर्दशा न होती ।

****

३. नामजपकी परिणामकारकताको कैसे बढाएं ? (भाग-३)

प्रारम्भिक अवस्थाके साधकोंको नामजप करते समय माला लेकर गिनती करते हुए नामजप करना चाहिए । इससे नामजप वृद्धिमें सहायता मिलती है । उत्तरोत्तर अवस्थामें नामजपको सांसके साथ जोडते हुए अपने लिए जो अनुकूल मुद्रा हो वह करते हुए जप करना चाहिए । वैसे तो ध्यान या ज्ञान मुद्रा सभीके लिए अनुकूल होती है; किन्तु वर्तमान कालमें जब अधिकांश साधकोंको अनिष्ट शक्तियोंका कष्ट है, ऐसेमें वायु

मुद्रा या आकाश मुद्रा अधिक अनुकूल होती है । यदि किसी साधकको पित्तका कष्ट हो तो उसकेद्वारा पृथ्वी मुद्रा भी नामजप करते समय की जा सकती है । वैसे ही वात रोगीको ज्ञान या आकाश मुद्राकी अपेक्षा वायु मुद्रा करनी चाहिए । (हस्त मुद्राके विषयमें विस्तृत जानकारी हम आपको धर्मधाराके सत्संगमें अनेक बार दे ही चुके हैं ।) प्रारम्भिक अवस्थाके साधकोंको नामजप करते समय, अपने गुरु या इष्टदेवताका चित्र सामने रख, उसे देखते हुए जप करना चाहिए । यदि अनिष्ट शक्तियोंके कष्टका प्रमाण अधिक हो तो अपने आराध्यके चित्रके नेत्रोंमें त्राटक करते हुए भी जप करना लाभकारी होता है । वैसे तो वर्तमान कालमें नामजप करते समय भयावह दृश्य दिखाई देना, नींद आना, उबासी आना जैसे कष्ट अधिकांश साधकोंको होते हैं, ऐसेमें नेत्र बन्दकर नामजप करना टालना चाहिए ।

– (पू.) तनुजा ठाकुर, सम्पादक

प्रेरक प्रसङ्ग

स्वयंपर नियन्त्रण

एक गांवमें रामू नामका एक व्यक्ति रहता था । वह बात-बातपर चिढ जाता था, दूसरोंपर झुंझला उठता और बहुत क्रोध किया करता था । उसके परिवारवाले उसके क्रोधको लेकर चिन्तित थे । रामू जैसे-जैसे बडा हो रहा था, उसकी ये एक अनुचित वृत्ति उसका स्वभाव बनती जा रही थी; परन्तु वह भी दूसरोंसे प्यार पाना चाहता था, उसे लगने लगा था कि क्रोध उसके सम्बन्धोंको नष्ट कर रहा है । रामूका एक अच्छा मित्र भी था । वह उसे भली-भांति समझता था । उसे यह अनुभव होने लगा था कि रामू परिवर्तित होना चाहता है और

वह क्रोधसे छुटकारा पाना चाहता है। उन दिनों गांवसे कुछ ही दूर एक सन्तका आना हुआ था, जो लोगोंकी समस्याओंका समाधान किया करते थे। रामूका मित्र उसे लेकर उन सन्तके पास पहुंच गया। उन्होंने अपनी सारी बातें सन्तजीको बताई और रामू उदास मुख लिए सन्तके पैरोंमें गिर पडा।

सन्तजीने रामूका हाथ आगे करनेके लिए कहा और निर्देश दिए कि जैसा मैं कहूंगा, ठीक वैसा ही करना। रामूने अपना हाथ आगे करते हुए उनकी बातें ध्यानसे सुनी।

सन्तजी बोले, "अपनी मुठ्ठी बांध लो और पुनः तुरन्त खोल दो।" रामूने वैसा ही किया।

सन्तजी पुनः बोले, "अब ये प्रक्रिया बार-बार दोहराते रहो।"

रामू सन्तजीकी बातें समझ नहीं पा रहा था; परन्तु वह बार-बार मुठ्ठी बन्द करके उसे खोलता रहा।

ये प्रक्रिया बहुत बार करनेके पश्चात रामूने कहा, "महात्मन ! ये आप क्या कर रहे हैं ? कृपया मेरी समस्याका समाधान करें !"

इस बार सन्त उसे बडे ही प्यारसे समझाते हुए बोले, "पुत्र ! जिस प्रकार तुमने अपनी मुठ्ठी स्वयं बन्द की और उसे स्वयं ही खोला। इससे ये आशय निकलता है कि तुम्हारे अङ्गोंपर तुम्हारा ही नियन्त्रण है, इसलिए तो तुमने अपनी मुठ्ठी बन्द की और खोली। ठीक इसी प्रकार अपने शरीरके अतिरिक्त, विचारोंपर भी मनुष्य स्वयं ही नियन्त्रण रख सकता है, चाहे उसने कितनी भी ज्ञानकी बातें क्यों न पढ ली या जान ली हों। जब भी तुम्हें क्रोध आए, स्मरण रखना, तुम स्वयं ही उसे नियन्त्रित कर सकते हो। हम दूसरोंको चाहकर भी वशमें नहीं कर सकते; परन्तु स्वयंपर नियन्त्रण रखना हमारे हाथमें

ही रहता है।"

रामू, सन्तजीकी बातें स्पष्ट रूपसे समझ चुका था और उसने अब स्वयंपर नियन्त्रण करनेका स्वभाव बनाना प्रारम्भ कर दिया।

क्रोधके निर्मूलन हेतु स्वभावदोष निर्मूलनकी प्रक्रिया बहुत ही प्रभावी होती है।

घरका वैद्य

गुड (भाग- ५)

गुडके उपयोग मस्तिष्कके लिए : गुडका हलवा खानेसे मस्तिष्क तीक्ष्ण होता है और शरीरसे विषैले पदार्थ बाहर निकल जाते हैं । गुडका हलवा, शीतकालमें शरीरके तापमानको नियन्त्रित रखता है । इसे खानेसे स्मरण शक्ति क्षीण नहीं होती है। इसलिए यदि आप अपनी स्मरण शक्तिको अच्छा रखना चाहते हैं तो इसका नियमित सेवन कीजिए।

गुड खानेके लाभ 'जुकाम' और पुरानी खांसीके लिए : साधारण 'सर्दी-खांसी'में गुड बहुत ही लाभदायक होता है । आप गुडको अदरक और काली मिर्च मिलाकर भी खा सकते हैं। यह 'सर्दी-खांसी'में औषधिके रूपमें कार्य करता है। ३ ग्राम गुडमें २०० मिलीग्राम काली मिर्च, ५०० मिलीग्राम सूखा अदरकका चूर्ण (पाउडर), १ चम्मच मधु मिलाकर, भोजनके पश्चात, एक दिनमें तीन बार इसका सेवन करें ! यह प्रथम बारमें ही अपना प्रभाव दिखाना आरम्भ कर देता है। गुड पुरानीसे पुरानी खांसीमें भी लाभदायक है । गुडके उपयोगसे गला स्निग्ध (चिकना) और लचीला बनता है। आयुर्वेदके अनुसार गुड, फेफडोंमें उष्णता उत्पन्न करता है और श्वसन तन्त्रतक फैल जाता है। गुड खांसी, श्वासरोग (दमा) और सांस लेने जैसे

कष्टोंमें सहायता करता है। यदि किसीको भी सांस लेनेका कष्ट हो तो वह शर्कराके सेवनके स्थानपर गुडका सेवन करे !

गुडसे श्वासरोगमें लाभ : श्वासरोगसे बचनेके लिए भी गुडका सेवन करना बहुत लाभप्रद होता है। गुडमें ऐसे गुण होते हैं, जो शरीरके तापमानको नियन्त्रित करते हैं। इसमें 'एंटी-एलर्जिक' विशेषताएं उपस्थित होती हैं। इसमें 'आयरन' भी होता है, जो रक्त परिसंचरण और श्वसन प्रणालीमें सुधार करता है। जिन लोगोंको 'दमा' होता है, उनके शरीरमें रोग-प्रतिरोधक शक्ति अल्प होती है। गुडका सेवन आपकी रोग-प्रतिरोधक शक्तिको बढाता है। यदि कोई बहुत लम्बे समयसे श्वासरोगसे पीडित है; तब भी गुडका सेवन बहुत लाभदायक होता है।

उत्तिष्ठ कौन्तेय

हनुमान चालीसा पढ रहे लोगोंपर मस्जिदसे पथराव, राम मन्दिर निर्माणके लिए दान लेने निकले थे भक्त

इन्दौर जनपदके चांदनखेडी ग्राममें मङ्गलवार २९ दिसम्बर, २०२० को हिन्दूवादी सङ्गठनके लोगोंपर पथवरावकी प्रकरणके पश्चात इन्दौर और ग्रामीण क्षेत्रोंसे भारी पुलिसबल पहुंच गया है। यह ग्राम सांवेर-गौतमपुरा मार्गपर स्थित है। इस प्रकरणमें लगभग १२ लोगोंके चोटिल होनेकी सूचना है। ग्राममें अभी भी तनावका वातावरण बना हुआ है।

प्रकरणकी सूचना मिलते ही ग्राममें हडकम्प हो गया। इन्दौर स्थित पुलिस मुख्यालयमें सूचना मिलते ही उच्च अधिकारी दल-बलके साथ घटनास्थल पहुंचे और दोनों पक्षोंको समझानेका प्रयास किया। सूचना मिलते ही इन्दौर 'डीआरपी लाइन'से ५० पुलिसकर्मियोंकी टुकडी लेकर बडे

अधिकारी पहुंच गए । जब बात नहीं बनी तो पुलिसको कुछ बल प्रयोग करना पडा।

पिछले दिनों उज्जैनमें भी हिन्दूवादी सङ्गठनकी यात्राके समय बेगमबागमें जमकर पत्थर चले थे, जिसके पश्चात उज्जैनमें तनावकी स्थिति उत्पन्न हो गई थी । वहां भी बेगमबाग क्षेत्रमें राम मन्दिर निर्माणको लेकर धन संग्रह करनेके लिए निकले हिन्दूवादी कार्यकर्ताओंकी यात्रापर पथराव और गाडियोंमें तोडफोडकी गई थी।

उज्जैन हो या इन्दौर, वैधानिक रीतिसे मन्दिर निर्माणके लिए धन संग्रह करनेवाले कार्यकताओंपर आक्रमण करना निकृष्ट कृत्य है जो म्लेच्छ वर्ग कर रहा है। इस मानसिकताको सभी हिन्दू जितनी शीघ्र समझ लेंगे, उतने ही सुरक्षित रहेंगे । वैसे म.प्र. के शिवराज शासनने प्रकरणमें कठोर कार्यवाही करते हुए अनेक लोगोंको बन्दी बनाया है और उनके भवन गिरानेके भी समाचार प्राप्त हुए हैं।

****

हास्य अभिनयकर्ता राजू श्रीवास्तवको मिली मारनेकी धमकी

'कॉमेडियन' और 'उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद'के प्रमुख राजू श्रीवास्तवको मारनेकी धमकी मिली है । राजू श्रीवास्तवने एक 'वीडियो' साझा करते हुए बताया है कि उन्हें धमकियां दी जा रही हैं कि उनकी स्थिति कमलेश तिवारी जैसी कर दी जाएगी । हास्य अभिनेताने कहा कि उन्हें और उनके सहयोगियों, अजीत सक्सेना और गर्वित नारंगको भी धमकी भरे चलभाष आ रहे हैं।

'वीडियो'में राजू श्रीवास्तव कह रहे हैं, “जब देशपर कोई भी आक्रमण करता है, वो चीन हो या पाकिस्तान, आपकी भांति मैं भी क्रोधमें आ जाता हूं । मेरा सारा आक्रोश मेरी 'कॉमेडी'में निकलता है और इस प्रकार मैं देशके शत्रुओंको अपने हास्यके माध्यमसे लताडता हूं, अपशब्द कह देता हूं । प्रत्येक भारतीयका दायित्व है कि अपने राष्ट्रके साथ खडे हों, भारतीय सेनाको अपनी-अपनी क्षमताके अनुसार सहयोग करे । मेरी 'कॉमेडी' ही मेरा शस्त्र है; परन्तु ऐसा करनेपर मुझे पाकिस्तानकी ओरसे धमकी भरे चलभाष आ रहे हैं ।”

राजू श्रीवास्तवने इस विषयको गम्भीरतासे लेने के लिए केन्द्रीय गृहमन्त्री अमित शाहसे सम्पर्क किया है । राजू श्रीवास्तवने प्रकरणको गम्भीरतासे लेते हुए कहा है कि कुछ अज्ञात लोग उन्हें भयभीत करने और उद्विग्न करनेका प्रयास कर रहे हैं । हास्य अभिनेताने 'वीडियो'में बताया कि चलभाषपर उन्हें कहा जा रहा है कि उनके बच्चोंको मार दिया जाएगा और उनकी स्थिति भी कमलेश तिवारी जैसी होगी ।

७ वर्ष पूर्व भी मुम्बईमें राजू श्रीवास्तवको पाकिस्तानके कराची और दुबईसे चलभाषपर मारनेकी धमकी दी जा चुकी है । इसे लेकर उन्होंने महाराष्ट्रमें परिवाद प्रविष्ट कराया था । बता दें कि राजू श्रीवास्तव इन दिनों नोएडामें बननेवाली 'फिल्मसिटी'को लेकर चर्चामें हैं । वह अनेक बार 'फिल्मसिटी'के विषयमें दुबई 'गिरोह'की आलोचना कर चुके हैं ।

इसका अर्थ स्पष्ट है कि मुम्बईका चलचित्र जगत, पाकिस्तान और आतङ्कियोंका अवश्य ही लेन-देन है, तभी तो भारतमें किसी प्रकरणपर पाकिस्तानसे धमकी

आती है ! चलचित्र जगतका यह कटु सत्य लगभग सभी जानते हैं; परन्तु विडम्बना है कि कुछ होता नहीं है !

****

कर्नाटकके पूर्व मुख्यमन्त्री सिद्धारमैयाने स्वीकार किया कि वे 'मवेशियोंका मांस' खाते हैं, कांग्रेस स्थापना दिवसपर वक्तव्य

कांग्रेसके वरिष्ठ नेता और कर्नाटकके पूर्व मुख्यमन्त्री सिद्धारमैयाने सोमवार, २८ दिसम्बर २०२० को स्वीकार किया कि वे मवेशीका मांस खाते हैं । उनका यह वक्तव्य कांग्रेसके स्थापना दिवसपर आया है। उन्होंने बताया कि पहले भी उन्होंने विधानसभामें यह स्वीकार किया था कि वे मवेशीका मांस भक्षण करते हैं । उन्होंने कहा कि भोजनकी प्रत्येककी अपनी अपनी रुचि है, उसपर किसी अन्यको प्रश्न करनेका अधिकार नहीं। उन्होंने कहा कि मुझे रुचिकर लगता है, तो मैं खाता हूं आपको नहीं लगे, तो न खाएं !

गोहत्या रोधी विधेयकपर उन्होंने कहा कि गाय अथवा भैंसपर प्रतिदिन व्यय लगभग १०० रुपए होता है । किसान भले ही गोमाताकी पूजा करते हैं, बूढी गाय, भैंसोंको कहां भेजेंगे ? उनके व्ययका धन कौन देगा ?

२०१५ में भी उन्होंने इसी प्रकारकी टिप्पणी की थी, जब उन्होंने कहा था कि मैंने आजतक गोमांस नहीं खाया है; परन्तु आप कौन होते हो मुझे यह पूछनेवाले ? उन्होंने यह भी कहा था कि कोडावा गोमांस खाते हैं; परन्तु कालान्तरमें उन्होंने अपने इस वक्तव्यपर खेद व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि ९ दिसम्बरसे कर्नाटक राज्यमें गोहत्यापर पूर्ण प्रतिबन्ध लग गया है। ऐसा करनेवाला कर्नाटक

२० वां राज्य बन गया है। अब जो भी व्यक्ति गोवध अथवा उनके परिवहनमें लिप्त पाया जाएगा, उसे ७ वर्षका कारावास भोगना होगा। विशेष बात यह है कि जिस दिन कर्नाटक विधानसभाद्वारा पारित अधिनियमको प्रभावी करने हेतु अध्यादेश पारित किया गया; उसी दिन पूर्व मुख्यमन्त्रीका यह वक्तव्य आया है।

कांग्रेस एक हिन्दूद्रोही पक्ष है। केरलमें सार्वजनिक रूपसे बछडा काटकर, पकाकर कांग्रेसके नेता यह सिद्ध कर चुके हैं। अब कर्नाटक भाजपाद्वारा शासित होनेसे गोरक्षा हेतु यह विधान पारित हुआ है; परन्तु सिद्धारमैया जैसे निधर्मी अपनी वास्तविक मानसिकता दिखा रहे हैं और आश्चर्य है कि ऐसे निधर्मी एक धर्मसापेक्ष राष्ट्रमें किसी राज्यके मुख्यमन्त्री बन कैसे जाते हैं ? (३०.१२.२०२०)

****

जाकिर नाइकद्वारा इस्लामके बारेमे हिन्दू लडकीको किया भ्रमित

भारतीय विधान आयोगके भयसे भागनेवाला इस्लामी कट्टरपन्थी जाकिर नाइक प्रायः विवादित और हिन्दू धर्मके प्रति टिप्पणियां करता रहता है। वह एक बार पुनः 'गैर'मुसलमानों, विशेष रूपसे हिन्दुओंके विरुद्ध विष उगलने और इस्लामी वर्चस्ववादकी चरमपन्थी विचारधाराका प्रचार करनेके लिए चर्चामें है।

इस माहके नाइकके आधिकारिक 'यूट्यूब चैनल'पर प्रसारित चलचित्रमें मौलानाको अन्य धर्मगुरुओंके विरुद्ध डींगे हांकते (झूठी शान) हुए देखा गया। उसका कहना है कि मुसलमान पुरुष और महिलाएं हिन्दुओंसे उत्तम हैं।

एक लडकी कथित रूपसे ३ वर्ष पूर्व हिन्दू धर्मसे इस्लाम पन्थमें परिवर्तित हो गई थी और जाकिर नाइक इसी लडकीके प्रश्नका उतर दे रहा था । लडकीका प्रश्न था कि उसके समाजमें मुसलमान पुरुषसे विवाह करना बहुत कठिन है, तो क्या मुसलमान व्यक्तिसे विवाह करना अनिवार्य है या ऐसी परिस्थितिमें वह हिन्दू युवकसे भी विवाह कर सकती है ?

इसपर जिहादी नाइकने कहा कि लडकीके लिए मुसलमान पुरुषसे विवाह करना नितान्त आवश्यक है ! नाइकने अपने प्रश्नको उचित सिद्ध करनेके लिए 'कुरानकी आयतों'का (२२१)' विषय क्रमांक २ का आश्रय लेते हुए कहा कि हिन्दुओंसे (पुरुष/महिला) कभी भी विवाह नहीं करना चाहिए, जो इस्लाम पन्थको नहीं मानता । नाइकके अनुसार, केवल मुसलमान ही स्वर्गमें जा सकता है, जो इस्लाम पन्थका पालन नहीं करते, वे सब नरकमें जाते हैं । इसके साथ ही भगोडे नाइकने कहा कि ईसाई समुदायवाले भी 'हराम' है, जब तुम किसीको 'मैरी क्रिसमस' कहते हुए शुभकामनाएं देते हो, तो तुम भगवान 'जीसस क्राइस्ट'की सन्तान स्वीकार करते हो, ऐसा करना पाप है और ऐसा करनेपर नरकमें जाओगे । भगोडा जाकिर अभी भारत देशसे भागा हुआ है और मलेशियामें रह रहा है ।

यदि इस धर्महीन युवतीको धर्मका थोडा भी ज्ञान दिया गया होता, तो यह धर्मगुरुओंसे प्रश्न करती, न कि आतङ्कवादी वृत्तिवाले इस जिहादीसे ! यह सभी हिन्दू माता-पिताने ध्यान रखना चाहिए कि अपनी सन्तानको धर्मज्ञान अवश्य दें अथवा जहां धर्मज्ञान मिलता हो, ऐसे व्यक्तियों अथवा स्थानोंके सम्पर्कमें अवश्य रहें, अन्यथा बच्चे इस प्रकारके कृत्य कर सकते

हैं !

****

पाकिस्तानमें प्रतिवर्ष एक सहस्र लडकियोंको अपहरण व दुष्कर्मकर बनाया जाता है मुसलमान

पाकिस्तानमें १२ से २५ वर्षके मध्यकी लडकियोंका प्रतिवर्ष अपहरणकर दुष्कर्म किया जाता है और उन्हें बलपूर्वक मुसलमान बनाया जाता है। 'एसोसिएटिड प्रेस'ने मानवाधिकार सङ्गठनद्वारा जानकारी देते हुए कहा कि इस समय 'कोरोना' महामारीके मध्य, यह सङ्ख्या और भी अधिक बढ गई है। लोग अधिकतर समय 'सोशल मीडिया'पर व्यतीत करते हैं, जिस कारण अधिकांश युवतियां इन जिहादियोंके चंगुलमें फंस जाती हैं। फंसी हुई अधिकतर लडकियां उन हिन्दू, सिख अथवा ईसाई परिवारोंसे होती हैं, जिन्हें कहीं न कहीं आर्थिक साधनोंका अभाव होता है। कुछ लोग निजी ऋण तो ले लेते हैं; किन्तु लौटा नहीं पाते, तो उनकी बच्चियोंको बलपूर्वक ले लिया जाता है। उनसे दुष्कर्मकर, उनका धर्मान्तरण कर दिया जाता है और किसी प्रौढ आयुके जिहादीसे उसका विवाह बलपूर्वक कर दिया जाता है।

कुछ दिवस पूर्व १३ वर्षीय ईसाई लडकी नेहाका अपहरणकर, उससे दुष्कर्म किया गया और ४४ वर्षीय अपहरणककर्तासे उसका बलपूर्वक विवाह करा दिया गया। पुलिस भी इस प्रकारके प्रकरणोंमें, पीडितोंकी कुछ भी सहायता नहीं करती, यहांतक कि पुलिसद्वारा अपराधियोंकी जांच करनेसे मना करनेपर, भ्रष्ट न्यायाधीश भी आंखें मूंद लेते हैं।

पाकिस्तानमें बलपूर्वक धर्मान्तरण एक व्यवसाय बन

चुका है, जिसमें विवाह करानेवाले धर्मगुरु भी विशेष रूपसे सम्मिलित हैं । 'जिब्रान नासिर' नामक कार्यकर्ताने इसे एक षड्यन्त्रकारी समूह बताया है और कहा है कि यह संगठन उन लडकियोंको फंसाता है । इस्लाममें नूतन लोगोंको लेकर धर्मान्तरण कराना कठिन है; इसलिए ऐसी लडकियोंका अपहरण करके, उन्हें बलपूर्वक मुसलमान बनाया जाता है ।

२२ कोटि जनसङ्ख्यावाले मुसलमानी देश पाकिस्तानमें ३.६% अल्पसंख्यक हैं, जो इनके जालमें फंसते रहते हैं । उचित जांचका अभाव, अभियुक्तोंका अभियोजन, पुनर्मिलनके अधिकारसे वंचित रखना इत्यादि यहां जिहादियोंके लिए सरल है । यदि कोई इन अत्याचारोंके विरुद्ध कुछ कहनेका साहस करता है तो ईशनिन्दा कहकर उसे समाप्त कर दिया जाता है । इस प्रकार इस्लामी देशमें न्याय मिलना अति दुर्लभ है ।

पाकिस्तान ही एक ऐसा देश है, जो जिहादियोंको पोषित करता है, वो भी देशके अल्पसङ्ख्यकोंको नष्ट करनेके लिए ! वहांपर न्याय मांगनेवालोंको भी दण्डित किया जाता है; क्योंकि न्यायाधीश भी जिहादी मानसिकतावाले हैं । ऐसे देशका सर्वनाश ही मानवताके लिए कल्याणकारी होगा । (३०.१२.२०२०)

****

छद्म 'आधार कार्ड'से रवि बना, पूजा पाठ भी करता था रफीक खान, हिन्दू लडकीसे निकाह करनेके षड्यन्त्रमें बन्दी बनाया गया

मध्य प्रदेशकी राजधानी भोपालसे लव जिहादका एक प्रकरण सामने आया है, जिसमें रफीक खान नामका युवक

अपनी 'पहचान' छुपाकर एक हिन्दू युवतीसे विवाह करने जा रहा था । इस बातकी जानकारी मिलते ही हिन्दूवादी सङ्गठनोंने युवकसे पूछताछकर जब उसका 'आधार कार्ड' देखा, तो ज्ञात हुआ कि उसका 'आधार कार्ड' भी छद्म है। 'जी न्यूज'की 'रिपोर्ट'के अनुसार, पुलिसने इस घटनाकी जानकारी मिलते ही आरोपी रफीकको बन्दी बना लिया था।

रफीक मध्य प्रदेशके होशंगाबादका निवासी है और उसने अपना नाम रवि यादव बताया था। रफीक खानने रवि नामसे ही एक छद्म अभिज्ञान-पत्र (आधार कार्ड) भी बनवा रखा था। लगभग डेढ वर्ष पूर्व रफीकका रायसेनके गेंहूरास गांवकी रहनेवाली हिन्दू लडकीके घर आना जाना आरम्भ हुआ। वह पीडिताके भाईके साथ कार्य करता था, जिसके कारण उसका युवतीसे भी परिचय हुआ। हिन्दू युवती और रफीकके मध्य बातचीत बढी, उसने पीडिताको बहला-फुसलाकर प्रेमजालमें फंसा लिया।

दोनोंके मध्य विवाहकी बात होने लगी, इस सम्बन्धमें पीडिताके परिजनका कहना था कि आरोपीका लम्बे समयसे उनके घर आना जाना था। वह पूजा-पाठमें भी सम्मिलित होता था और सहायता भी करता था, जिसके कारण उन्हें कभी किसी प्रकारका सन्देह नहीं हुआ। रफीक हिन्दू युवतीके साथ भोपालके कोलार स्थित मन्दिरमें विवाह कर ही रहा था कि तभी रायसेन जनपद स्थित मण्डीदीपके हिन्दू सङ्गठनको इस बातकी सूचना मिली। प्रकरणकी जानकारी मिलते ही वह तुरन्त वहां पहुंचे और उन्होंने तुरन्त रफीकसे पूछताछ आरम्भ कर दी। पूछताछमें उसने बताया कि उसका नाम रवि है और उसका अपना कोई नहीं है।

जब आरोपीसे उसका 'आधार कार्ड' मांगा गया तो वह छद्म निकला और हिन्दूवादी सङ्गठनने इस प्रकरणकी जानकारी पुलिसको दी । इसके पश्चात पुलिसने तत्काल प्रभावसे आरोपी रफीकको बन्दी बना लिया।

हिन्दूवादी सङ्गठनोंने इस प्रकरणमें एक और युवकके सम्मिलित होनेका भी आरोप लगाया है। उनका कहना है कि शिव कुमार भार्गव नामका युवक इस घटनाके षड्यन्त्रमें सम्मिलित था । वह विवाहके समय मन्दिरमें उपस्थित था; परन्तु हिन्दू सङ्गठनके लोगोंको देखकर वहांसे भाग निकला, अभी उसका भ्रमणभाष बन्द है और पुलिस उसे ढूंढ रही है।

हिन्दुओ, आजकी स्थिति इतनी भयावह व विकट हो गई है कि हमारे मध्य ही जिहादी छद्मवेश धारणकर लव जिहादकी योजनाको क्रियान्वित करते रहते हैं । सभी हिन्दूनिष्ठ मिलकर प्रशासनसे इन जिहादियोंके लिए कठोरसे कठोर दण्डकी मांग करें ! (३०.१२.२०२०)

****

वैदिक उपासना पीठद्वारा कुछ आवश्यक सूचनाएं

१. वैदिक उपासना पीठद्वारा विजयादशमीसे अर्थात दि. २५/१०/२०२० से ऑनलाइन बालसंस्कारवर्गका शुभारंभ हो चुका है। यह वर्ग प्रत्येक रविवार, त्योहारोंको एवं पाठशालाके अवकाशके दिन प्रातः १० से १०:४५ तक होगा। इस वर्गमें ७ वर्षसे १५ वर्षकी आयुतकके बच्चे सहभागी हो सकते हैं। यदि आप अपने बच्चोंको इसमें सम्मिलित करने हेतु इच्छुक हैं तो पञ्जीकरण हेतु कृपया 9717492523, 9999670915 के व्हाट्सऐप्पपर सन्देशद्वारा सम्पर्क करें।

२. वैदिक उपासना पीठके लेखनको नियमित पढनेवाले पाठकोंके लिए निःशुल्क ऑनलाइन सत्सङ्ग आरम्भ किया जा चुका है।

आनेवाले सत्संगका विषय व समय निम्नलिखित है :

सङ्ख्या सीमित होनेके कारणकृपया अपना पञ्जीकरण यथाशीघ्र कराएं । इस हेतु ९९९९६७०९१५ (9999670915) या ९७१७४९२५२३ (9717492523) के व्हाट्सएप्पपर अपना सन्देश भेजें। कृपया पञ्जीकरण हेतु फोन न करें।

अगले कुछ सत्सङ्गोंकी पूर्व सूचना :

अ. जपमालासे सम्बन्धित तथ्य २ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

आ. शिष्यके गुण, ४ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

इ. नमस्कारसे सम्बन्धित शास्त्र, ६ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

ई. नामजप कब, कहां और कितना करें ? ८ जनवरी, रात्रि ९.३० बजे

३. वैदिक उपासना पीठद्वारा प्रत्येक दिवस भारतीय समय अनुसार रात्रि नौसे साढे नौ बजे 'ऑनलाइन सामूहिक नामजप'का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें साधना हेतु मार्गदर्शन भी दिया जाएगा, साथ ही आपको प्रत्येक सप्ताह 'ऑनलाइन सत्सङ्ग'के माध्यमसे वैयक्तिक स्तरपर भी साधनाके उत्तरोतर चरणमें जाने हेतु मार्गदर्शन दिया जाएगा, यदि आप इसका लाभ उठाना चाहते हैं तो आप हमें ९९९९६७०९१५ (9999670915) या ९७१७४९२५२३ (9717492523) पर "मुझे सामूहिक नामजप गुटमें जोडें", यह व्हाट्सऐप्प सन्देश भेजें !

४. जो भी व्यक्ति वैदिक उपासना पीठके तत्त्वावधानमें

अग्निहोत्र सीखना चाहते हैं वे ९९९९६७०९१५ के व्हाट्सऐप्पपर अपना सन्देश इसप्रकार भेजें ,'हमें कृपया अग्निहोत्र गुटमें सम्मिलित करें।'

५. कोरोना जैसे संक्रामक रोग एवं भविष्यकी आपातकालकी तीव्रताको ध्यानमें रखते हुए वैदिक उपासना पीठद्वारा संक्षिप्त दैनिक हवन कैसे कर सकते हैं ?, इस विषयमें १५ अगस्तसे एक नूतन उपक्रम आरम्भ किया जा रहा है। इसमें अग्निहोत्र समान इसे सूर्योदय या सूर्यास्तके समय ही करनेकी मर्यादा नहीं होगी, इसे आप एक समय या सप्ताहमें जितनी बार चाहे, कर सकते हैं । यदि आप सीखना चाहते हैं तो ९९९९६७०९१५ पर हमें इस प्रकार सन्देश भेजें, “हम दैनिक हवनकी सरल विधि सीखना चाहते हैं, कृपया हमें यथोचित गुटमें जोडें।”

प्रकाशक : Vedic Upasana Peeth
जालस्थल : www.vedicupasanapeeth.org
ईमेल : upasanawsp@gmail.com
सम्पर्क : + 91 9717492523 / 9999670915